जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 49 संख्याः 261 | प्रभात | कोटा, गुरुवार 4 जुलाई, 2024 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

भारी बारिश के बाद जयपुर की सड़कों पर पानी भर गया। यह नज़ारा निवारु रोड का है जहां पानी भरने के कारण पहले से टूटी सड़क ने समस्या और ज्यादा बढ़ा दी। अनेक दुपहिया व चौपहिया वाहन गड्ढों में फंस गए। राहगीरों को देर तक अपने वाहनों को सुरक्षित निकालने के लिए मशक्कत करते देखा गया। पूरे शहर भर की मुख्य सड़कों पर यही हालात देखे गए। (विस्तृत समाचार अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा व लोकसभा का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ

राहुल गाँधी ने अपने आक्रामक भाषण से सत्र की लगभग शुरुआत की थी, तथा उतनी ही आक्रामक शैली से प्रधानमंत्री मोदी ने पलटवार किया कांग्रेस पर, पहले लोकसभा में फिर राज्यसभा में

-रेण मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जुलाई। अठारहवीं लोकसभा का प्रथम सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया तथा राज्यसभा भी स्थगित हो गई।

ससंद के दोनों सदनों में काफी हंगामा हुआ। आक्रामकता, वैमनस्यता, तीखे कटाक्ष, वैल में आकर विरोध प्रदर्शन, उग्रता, वैरभाव, विपक्ष का बहिर्गमन, दोनों सदनों के आसनों आपत्तिजनक व्यवहार देखा गया। लोकसभा में राहुल गांधी ने आक्रामक शुरुआत की तथा प्रधानमंत्री पूरी तरह से लड़ाकू मुद्रा में दिखे और अपनी सरकार की उपलब्धियां बताने से कहीं ज्यादा समय तक कांग्रेस की चर्चा करते रहे।

- पुराने पत्रकारों, जो वर्षों से संसद की कार्यवाही कवर कर रहे हैं, का मानना है कि, अठारहवीं लोकसभा में भविष्य में भी यही माहौल रहने वाला हैः आक्रामक, निम्न स्तर के शब्दों का प्रयोग व हंगामापूर्ण वॉकआउट की परम्परा।
- इण्डिया गठबंधन काफी उत्साह में है, लोकसभा चुनाव के परिणाम के कारण तथा एन.डी.ए. व प्रधानमंत्री मोदी भी आमने-सामने की मुद्रा में, इण्डिया गठबंधन के हर आरोप व आलोचना का जमकर जवाब देने को तैयार हैं।
- पर एक बात समझ में नहीं आ रही, राज्यसभा में अपने ढाई घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने डेढ़ घंटा केवल कांग्रेस को नीचा दिखाने में ही क्यों लगाया।
- आज संसद टी.वी. ने पूरा फोकस प्रधानमंत्री के राज्यसभा के भाषण पर रखा तथा राहुल गाँधी के, अपने इण्डिया गठबंधन के साथी सांसदों को विरोध करने के लिए उकसाने के प्रयासों को एकदम ''ब्लॉक'' सा कर दिया, पर फिर राहुल गाँधी की इस गतिविधि का वीडियो संसद टी.वी. के प्रशंसक ने लीक किया। ऐसा करने से लाभ हुआ कि नुकसान, यह तो बहस का विषय हो सकता है, साथ ही विचारणीय है कि ऐसा करने की नौबत क्यों महसूस हुई।

विशेषज्ञों का मानना है कि 18वीं लोकसभा के तौर-तरीके और तेवर ऐसे ही रहेंगे। मोदी की भाजपा अल्पमत में जो है।

राहुल इण्डिया गठबन्धन, जो 10 साल की लम्बी अवधि तक उपेक्षित, मजबूर, अपमानित रहा तथा हाशिये पर पड़ा रहा, अब उत्साहित है तथा मोदी का मुकाबला करने के लिये उद्यत है।

राहुल गांधी विपक्ष के नेता बन गये तथा जब मोदी टकराव पैदा करने के उद्देश्य से सत्र के पहले ही दिन आपातकाल पर बरसने लगे, तो लोकसभा में राहुल गांधी ने तथा राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी का मुकाबला करते हुये, उनके सामने असुविधाजनक प्रश्न रख दिये।

नीट पर, मणिपुर पर, अग्निवीर पर तथा जिस तरह भाजपा ने द्वेष का वातावरण पैदा करते हुये, समाज को हिन्दू-मुस्लिम के मुद्दे पर बाँट दिया है, न तौर-तरीकों का उल्लेख करते हुये राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी पर जबरदस्त बरसे तथा जमकर प्रहार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी व आंध्र के चीफ मिनिस्टर हैदराबाद में मिलेंगे

हालांकि, दोनों मुख्यमंत्री अलग-अलग पार्टी के हैं, रेड्डी कांग्रेस पार्टी के साथ हैं तथा आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एन.डी.ए. गठबंधन के सदस्य हैं, इसलिए इस मुलाकात को बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जुलाई। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शनिवार को एक बहुत दिलचस्प मीटिंग है। इसमें राज्य कांग्रेस के एक शीर्ष नेता की एन.डी.ए. के एक अन्य शीर्ष नेता से मुलाकात होगी जिसमें तेलुगू भाषी दोनों राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच लम्बित मुद्दों के समाधान पर चर्चा होगी।

हालांकि, मीटिंग के आयोजन का उद्देश्य आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद संसाधनों के बंटवारे से सम्बंधित मुद्दों का समाधान करना है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों एन. चन्द्रबाबू नायडू और रैवन्त रेड्डी के बीच राष्ट्रीय राजनीतिक पर भी चर्चा हो सकती है। वर्ष 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद तेलंगाना का निर्माण किया गया था।

- जैसा कि विदित ही है, पुराने आंध्र प्रदेश का विभाजन करके आंध्र व तेलंगाना का जन्म हुआ है।
- अतः सभी दोनों नए राज्यों के बीच सम्पत्ति व अन्य एसैट्स के बंटवारे का मामला उलझा हुआ है तथा अनिर्णित है।
- आशा की जा रही है कि दोनों मुख्यमंत्री की बैठक में इन अनिर्णितत मसलों का समाधान निकलेगा।
- रेवन्त रेड्डी बहुत पहले तेलुगू देशम पार्टी के सदस्य रहे हैं तथा फिर तेलुगू देशम को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे तथा प्रदेशाध्यक्ष के रूप में बड़ी होशियारी से चुनाव लड़ा और पार्टी को जिताकर लाए और अब तेलंगाना के मु.मंत्री हैं।

संयोगवश, रैवन्त रेड्डी कांग्रेस में शामिल होने से पूर्व कुछ समय के लिए तेलुगूदेसम पार्टी में थे, उन्होंने नायडू के साथ भी काम किया था। उसके बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए। उसके बाद रैवन्त रेड्डी तेलंगाना के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने और गत वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने के. चन्द्रशेखर राव से सत्ता हथिया ली।

अपनी पुरानी पार्टी के ये दोनों साथी आज राष्ट्रीय राजनीति के परस्पर विपरीत पक्षों में है। रेड्डी कांग्रेस के नेता हैं और उनकी पार्टी संसद में विपक्ष में बैठी है, जबकि नायडू सत्तारुढ़ एन.डी.ए. गठबंधन का हिस्सा है और उनकी पार्टी की केन्द्रीय कैबिनेट में भी भागीदारी है।

आंध्र प्रदेश के विभाजन के दस वर्ष बाद नायडू की पहल पर दोनों की मुलाकात हो रही है। रेड्डी ने बिना कोई समय गंवाए शनिवार की मीटिंग तय कर ली। दोनों राज्यों के बीच लम्बित मुद्दों का अत्यंत गंभीरता और संकल्प के साथ समाधान करने के लिए रैवन्त रेड्डी अपने पुराने बॉस की मेजबानी करेंगे।

उम्मीद है कि दोनों नेताओं के बीच होने जा रही मीटिंग में कई ऐसे लम्बित मतभेदों का समाधान होगा जो अधिकारिक स्तर पर वर्षों की बातचीत के बावजूद विद्यमान थे।

रैवन्त रेड्डी ने अपने जवाब में कहा कि वह ''नायडू से पूर्णतया सहमत है।'' मीटिंग प्रगति भवन में होगी, जिसका निर्माण पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने करवाया था। हालांकि रेड्डी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद इस बिल्डिंग का नाम ''महात्मा ज्योति राव फुले भवन'' रख दिया है। पांच वर्ष पूर्व ऐसी ही एक मीटिंग दो पूर्व मुख्यमंत्रियों वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी और के.चन्द्रशेखर राव के बीच हुई थी, जो निरर्थक रही एवं इसमें कोई भी अर्थपूर्ण समाधान नहीं खोजा जा सका। अब दोनों की ही पार्टियां विधानसभा चुनाव हार चुकी हैं। दोनों की मीटिंग के दौरान के. चन्द्रशेखर राव ने नदी-जल बंटवारे को लेकर एक प्रैजेन्टेशन दिया था। तब कुछ अन्य निर्णय भी लिए गए थे, लेकिन तेलंगाना सरकार के मुकर जाने पर ये मुद्दे अब भी बने हुए हैं।

फास्टैग में बैलेंस के बाद भी दुगनी राशि वसूलने पर टोल कंपनी पर हर्जाना

जयपुर, 3 जुलाई (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, ने टोल प्लाजा पर लगी मशीन के फास्टैग रीड नहीं करने और दुगनी राशि नगद वसूलने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने अखैपुरा टोल प्लाजा पर 12 हजार रुपए

- जिला उपभोक्ता आयोग, ने टोल प्लाजा पर लगी मशीन के फास्टैग रीड नहीं करने और दुगनी राशि नगद वसूलने को सेवा दोष माना है।

हर्जाना लगाते हुए उसे निर्देश दिए हैं कि वह परिवादी से वसूले गए 90 रुपए भी लौटाए। आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर व सदस्य सीमा शर्मा ने यह आदेश मंजीत सिंह तंवर के परिवाद पर दिए। आयोग ने कहा कि फास्टैग होने के बाद भी यदि टोल कर्मचारियों की ओर से बहस कर यात्रा में देरी की जाती है तो इसे टोल प्लाजा की सेवाओं में कमी व लापरवाही माना जाएगा।

मामले के अनुसार परिवादी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गाँधी महाराष्ट्र में पुणे से पंढरपुर तीर्थ यात्रा में भाग लेंगे

संसद में उनके पहले धुआंधार भाषण के बाद राहुल पर ''हिन्दू विरोधी'' होने का आरोप लगाया गया था, इस आरोप को धोने के लिए वे इस धार्मिक यात्रा में शामिल होंगे

- श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर दिए गए अपने शुरुआती भाषण के बाद भाजपा द्वारा ''हिन्दू विरोधी'' बताए जाने पर पलटवार करते हुए राहुल ने एन.सी.पी. (एस.पी.) नेता शरद पवार का एक तीर्थयात्रा पर आने का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी आगामी 13-14 जुलाई को पुणे से पंढ़रपुर की वार्षिक वारी तीर्थयात्रा में शरद पवार के साथ शामिल होंगे।

- शरद पवार व इस बैल्ट से जीते एम.वी.ए. गठबंधन के सांसदों ने राहुल गाँधी से मिलकर उनको इस यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया था।
- इस निमंत्रण से यह भी स्थापित हुआ कि, महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के नेता भी अब स्वीकार कर रहे हैं कि राहुल गाँधी इस गठबंधन के सबसे प्रभावी कैम्पेनर हैं।
- जैसा कि, विदित ही है, महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 31 पर एम.वी.ए. गठबंधन जीता है तथा इन सीटों में अधिकांश सीटें वो हैं जिन पर राहुल गाँधी ने सघन चुनाव अभियान चलाया था।

हाल ही सम्पन्न लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के थोड़ा-बहुत पुनर्जीवित होने के बाद इण्डिया गठबन्धन के स्टार प्रचारक के रूप में राहुल गांधी की छवि में इजाफा हुआ है और चार बार मुख्यमंत्री रह चुके पवार आशांवित हैं कि वार्षिक पंढ़रपुर तीर्थयात्रा में राहुल की भागीदारी महाराष्ट्र में हाल साल के अंत में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) की संभावनाओं में वृद्धि होगी। लोकसभा चुनावों में एम.वी.ए. के महाराष्ट्र की कुल 48 में से 31 सीटें जीतने के बाद इण्डिया गठबंधन के सहयोगियों को अपना प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है।

राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जिन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का भ्रमण किया था वहां चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बी.आर.एस. के राज्यसभा सांसद केशव राव कांग्रेस में शामिल

नयी दिल्ली, 3 जुलाई (वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) के राज्य सभा सांसद केशव राव बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गये। राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राव को अंग

- राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केशव राव को अंग वस्त्र ओढ़ा कर पार्टी में शामिल किया। राव तेलंगाना के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। वे बी.आर.एस. से तीन बार राज्यसभा सदस्य बन चुके हैं।

वस्त्र ओढ़ा कर पार्टी में शामिल किया। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा पार्टी के प्रदेश प्रभारी दीपादास मुंशी भी मौजूद थीं।

खड़गे ने कहा कि राव का सार्वजनिक जीवन में काम करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डिया गठबंधन के वॉकआउट के बाद राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुई

वॉकआउट की विशेष बात यह थी कि नवीन पटनायक की पार्टी (बी.जे.डी.) के नौ राज्यसभा सदस्य भी विपक्ष के वॉकआउट में शामिल हुए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जुलाई। अठारहवीं लोकसभा के गठन का संसद का उद्घाटन सत्र बुधवार को कटुता के साथ खत्म हुआ और कांग्रेस के नेतृत्व में समूचे विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट किया क्योंकि नरेन्द्र मोदी के भाषण के बीच में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

राज्यसभा आज स्थगित कर दी गई जबकि लोकसभा कल ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के बाद।

दोनों सदनों के सत्र में जो कुछ भी कहा गया उससे यह तो स्पष्ट हो गया है कि मोदी सरकार ने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के साथ टकराव का रास्ता चुना है। उद्घाटन सत्र में उग्र व्यवहार और आक्रामकता देखी गई।

लगता है कि, मोदी सरकार ने विपक्ष के साथ तालमेल और सहयोग नीति को लगता है अलविदा कह दिया है। शानदार जनादेश से उत्साहित विपक्ष के पास अब इतना संख्याबल है कि सरकार के सामने जनता की समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठा सकता है और अपनी बात सुनने के लिए मजबूर कर सकता है।

- इससे पहले बी.जे.डी. राज्यसभा में अपना समर्थन सदा भाजपा को ही देती आई थी, तथा कई अति महत्वपूर्ण विधेयक राज्यसभा में पारित ही बी.जे.डी. के समर्थन के कारण हुए।
- पहली बार बी.जे.डी. ने सरकार विरोधी गतिविधि में विपक्ष के साथ वॉकआउट में शामिल होकर अपनी बदली हुई भूमिका दिखाई।
- वॉकआउट का तत्कालिक कारण था, प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस पर कटाक्ष कि ये लोग सदा ऑटो पायलट व रिमोट से सरकार चलाते आए हैं।
- मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री के आरोप व कटाक्ष पर अपना, कांग्रेस का पक्ष रखने के लिए बोलने की इजाज़त मांगी, पर उन्हें इजाज़त नहीं मिली तो, इसके विरोध में विपक्ष ने वॉकआउट का निर्णय लिया।

सोनिया गांधी पर प्रधानमंत्री के कटाक्ष के बाद विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन कर दिया। मोदी ने कहा कि लोग ऑटो पायलट व रिमोट पायलट पर सरकार चलाने के आदी हैं वे काम में यकीन नहीं करते हैं व सिर्फ यह जानते हैं कि कैसे इंतजार किया जाए इस पर सदन में भारी विरोध हुआ। खड़गे के नेतृत्व में विपक्ष के सांसदों ने हस्तक्षेप की अनुमति मांगी पर सभापति ने कहा, उनका आचरण अनुचित है।

विपक्ष के सदस्यों के वॉकआउट में बीजू जनता दल के सदस्य भी शामिल हुए।

बीजू जनता दल कभी भाजपा की सहयोगी पार्टी थी तथा राज्यसभा में कई विधेयकों को मंजूरी दिलाने में बीजू जनता दल ने भाजपा को समर्थन दिया था। पार्टी के सभी नौ सांसद मोदी के भाषण के दौरान विपक्ष के साथ वॉकआउट कर गए।

नवीन पटनायक की बीजू जनता दल जो राज्यसभा में विवादास्पद बिलों को पास करवाने में भाजपा की मददगार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालकृष्ण आडवानी फिर अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 3 जुलाई। भाजपा के सीनियर नेता नेता लालकृष्ण आडवानी को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एडमिट कराया गया है। बुधवार देर शाम उन्हें मथुरा रोड स्थित अपोलो अस्पताल इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक लालकृष्ण आडवाणी को रात 9 बजे अपोलो अस्पताल में डॉ. विनीत सूरी की देखरेख

- आडवानी की दोबारा तबियत बिगड़ने के बाद दिल्ली के मथुरा रोड स्थित अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वे निगरानी में हैं।

इससे पहले 26 जून को भी तबीयत बिगड़ने पर लालकृष्ण आडवानी को देर रात एम्स में भर्ती कराया गया था। लालकृष्ण आडवाणी की मूत्रविज्ञान, हृदयरोग विज्ञान और जेरिएट्रिक मेडिसिन सहित विभिन्न

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)